Roll No. ……..

BAJY–201

जातकशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी. ए.—12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. जातकशास्त्र का परिचय दीजिए।
2. राशिशील के विषय में एक टिप्पणी लिखिए।
3. 12 भावों से विचारणीय विषयों का विवेचन कीजिए।
4. 12 भावों के कारक बताते हुए चरकारक बताइए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्वामिदृष्ट स्वामीयुक्त ग्रहशुभत्व का वर्णन भावफलदृष्ट्या कीजिए।
2. त्रिकस्थ ग्रह अनुभत्व का वर्णन सोदाहरण कीजिए।
3. स्वननांश व वर्गोत्तम नवांश सोदाहरण समझाइए।
4. द्रेष्काण कुण्डली उदाहरण देकर समझाइए।
5. उच्चस्थ ग्रहफलों का निरूपण कीजिए।
6. मूलत्रिकोण राशियाँ व ग्रहों के परमोच्चांश बताइए।
7. केन्द्रस्थ 2 भावों के बल का निरूपण कीजिए।
8. तात्कालिक मैत्री का उदाहरण दीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ज्योतिष के तीन स्कन्ध कौन-से हैं ?
2. जातकशास्त्र के दो ग्रन्थों के नाम लिखिए।
3. केन्द्र स्थान कौन-कौनसे हैं ?

4. मारक स्थान कौन-कौनसे हैं ?
5. आयु का विचार किस भाव से किया जाता है ?
6. पंचाङ्ग के पाँच अंग कौन-से हैं ?
7. गुरु की विशेष दृष्टि क्या है ?
8. विंशोत्तरी दशा के अनुसार शुक्र के दशावर्ष लिखिए।
9. सूर्य के नैसर्गिक मित्र कौन हैं ?
10. शनि की उच्च राशि कौन-सी है ?